Agencies of Political Socialisation

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहते हुए राजनीति की जानकारी प्राप्त करता है तथा राजनीतिक कार्यों में भाग लेता है। समाज के लोगों का राजनीति के प्रति सक्रियता, जानकारी और सहभागिता को ही राजनीति समाजीकरण कहा जाता है। राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया के कई साधन निम्न प्रकार है—

1. परिवार - इसे नागरिकता की प्रथम पाठशाला कहा जाता है। परिवार बच्चे को सत्ता, अनुशासन तथा आज्ञापालन करना सिखाता है जिससे उनमें राजनीतिक विचार विकसित होता है। बटलर तथा स्टोम्स के अनुसार "परिवार को बच्चे के लिए बाहर की दुनिया पर खुलने वाली पहली खिड़की कहना चाहिए, यह बच्चे का सत्ता के साथ पहला सम्पर्क होता है।

2. शिक्षण संस्थाएँ — राजनीतिक समाजीकरण का इसरा साधन शिक्षण संस्थाएँ होती है। एलन आर० बाल के अनुसार "शिक्षा प्रणाली का समाजीकरण की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। हो सकता है कि स्कूल और विश्वविद्यालय द्वारा दी गई शिक्षा का प्रत्यक्ष रूप से राजनीति से सम्बन्ध न हो लेकिन उसका राजनीतिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण होता है।

3. व्यवसायिक समुदाय — आजकल प्रत्येक व्यवसाय के लोगों का अपना अपना संघ या यूनियन होता है। जैसे मजदूरों के हित की बात करने के लिए मजदूर संघ होते है। इन संघों द्वारा मजदूरों का राजनीतिक समाजीकरण होता है।

4. मताधिकार — चुनाव के दौरान आमजनता विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतियों तथा कार्यक्रमों को सुनते है, समझते है और सही दल को सत्ता में लाने के लिए वोट देते है। इस तरह जनता का समाजीकरण होता है।

Scanned with CamScanner

5. संचार के साधन – रेडियो, टेलीविजन, समाचार पत्र-पत्रिकाएँ तथा अन्य माध्यमों से लोगों को एक दूसरे का विचार सुनने एवं समझने का मौका मिलता है। तथा वे राजनीति के प्रति अपना विचार बना पाते हैं।

6. राजनीतिक दल – सत्ता मे आने के लिए राजनीतिक दल अपने पक्ष मे जनमत बनाने का प्रयास करते हैं।

7. सरकार की कार्य प्रणाली – सरकार की कार्य प्रणाली भी जनता का राजनीतिक समाजीकरण करती है। यदि सरकार की नीतियाँ और कार्यक्रम, जनता लोगों को राहत और सुरक्षा देती हैं तो राजनीतिक व्यवस्था में स्थायित्व आता है। नही तो जनता उसका विरोध करती है।

8. साहित्य – साहित्य का भी राजनीतिक समाजीकरण करने मे बड़ी भूमिका है। गाँधी जी के विचारों पर श्रीमद् भागवत गीता का प्रभाव पड़ा। इसी प्रकार भगत सिंह, उधम सिंह आदि पर समाजवादी साहित्य का प्रभाव पड़ा।

9. धर्म – प्राचीन काल मे राजनीतिक प्रणाली और जनता पर धर्म का बहुत ही प्रभाव था। अनेक धर्म प्रधान राज्यों में धर्म सत्ता, कानून, आज्ञापालन आदि का आदर्श प्रस्तुत करता है।

10. राज्य व्यवस्था से सीधा सम्पर्क – यदि नागरिक का राज्य व्यवस्था से सीधा सम्पर्क होता है तो राजनीतिक समाजीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है जैसे किसी सरकारी पद पर कार्य करना, जेल यात्रा, आन्दोलन आदि के आधार पर पक्ष या विपक्ष का समर्थन करना।

इस प्रकार राजनीतिक समाजीकरण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इससे राजनीतिक संस्कृति के विकास, उसके मूल्यो, विश्वासों, आस्थाओं आदि का ज्ञान होता है। राजनीतिक समाजीकरण से राजनीतिक प्रणाली मे स्थायित्व आता है तथा बदलती हुई परिस्थितियों के अनुरूप उसमे धीरे धीरे परिवर्तन भी होता है। इससे नागरिकों मे चेतना बढ़ती है तथा राजनीतिक प्रणाली को वैधता प्राप्त होती है।

Scanned with CamScanner